NT>

Title: Regarding students ` rally in Delhi and to improve the education system in country.

श्री शिवराज सिंह चौहान (विदिशा) : माननीय अध्यक्ष जी, आज ए.बी.वी.पी. के नेतृत्व में लाखों छात्र देश भर से एक रैली में दिल्ली आए हुए हैं। हमारे देश को स्वतंत्र हुए लगभग 55 साल हो गए लेकिन लॉर्ड मैकाले की बनाई हुई शिक्षा पद्धति आज भी हिन्दुस्तान में लागू है। लॉर्ड मैकाले तो बरसों पहले चले गए लेकिन लगता है कि जैसे आज भी कब्र में पड़े-पड़े वह हमारे मस्तिक और चिन्तन को प्रभावित कर रहे हैं।

माननीय अध्यक्ष जी, शिक्षा के तीन मुख्य उद्देश्य होते हैं - ज्ञान देना, कौशल देना और नागरिकता के संस्कार देना। लेकिन वर्तमान शिक्षा आधा-अधूरा अधकचरा ज्ञान तो देती है, न रोज़गार उत्पन्न करती है और न नागरिकता के संस्कार देती है। आज़ादी के बाद मुदालियर आयोग, राधाकृणन आयोग, कोठारी आयोग आदि अनेक कमीशन शिक्षा पद्धति में सुधार के लिए बनाए गए लेकिन आज तक जो तकनीकी परिवर्तन हिन्दुस्तान में किये जाने चाहिए थे, वे लागू नहीं हुए हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि शिक्षा की योजना करते समय भारतीय चिन्तन और विचार को आधार बनाया जाए, भारतीय ज्ञान-विज्ञान की उपलब्धि और संकलित ज्ञान के अध्ययन तथा नूतन अनुसंधान की व्यवस्था हेतु उच्च शोध संस्थानों का गठन हो। स्वायत्त उच्च शिक्षा पर राट्रीय शिक्षा आयोग की स्थापना की जाए। शिक्षा पर वैश्वीकरण के दुप्रभाव को रोकने के कारगर उपाय किये जाएं।

MR. SPEAKER: Shri Suresh Chandel may also associate himself on this subject.

श्री शिवराज सिंह चौहान : उच्च शिक्षा की उपलब्धता बढ़ाने हेतु नए संस्थानों की स्थापना की जाए। उच्च शिक्षा में प्रगति के लिए फीस पेमेन्ट व्यवस्था की समीक्षा की जाए। â€¦ (व्यवधान)

कहीं फीस देने की असमर्थता के कारण उच्च पाठ्यक्रम के योग्य छात्र शिक्षा से वंचित न रह जाएं। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको भााण करने की इजाज़त नहीं है। आप भााण कैसे करते हैं?

श्री शिवराज सिंह चौहान : निर्धन छात्रों के लिए राट्रीय शिक्षा विकास कोा की स्थापना की जाए। छात्रसंघों के निर्वाचन को अनिवार्य बनाया जाए। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं आपको इजाज़त नहीं दे रहा हूँ।

श्री शिवराज सिंह चौहान : मैं विश्वास करता हूँ कि केन्द्र सरकार इस मामले पर योग्य और आवश्यक कार्रवाई करेगी। â€¦ (व्यवधान)